साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

उच्च शिक्षा में वेब रेडियो का महत्व

डॉ0 रेनू श्रीवास्तव emailtorenu@gmail.com

सारांश

आज हम इलेक्ट्रोनिक युग में जी रहे है। इसलिए हमारे चारों तरफ इलेक्ट्रोनिक मीडिया है। आज इलेक्ट्रोनिक तकनीक का इतना विकास हो चुका है, जिसके कारण हम संचार माध्यम के सेटेलाइट युग में है। वैसे भी जैसे – जैसे नई तकनीकों का विकास होता जा रहा है। इलेक्ट्रोनिक मीडिया ने सम्पूर्ण विश्व को एक धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया है। नई तकनीक के विकास के साथ साथ रेडियो ने भी नई बुलन्दियों को छुआ है। इसके भी आकार–प्रकार में अन्तर आया है। आज का युग प्रौद्योगिकी का युग होने के कारण नए मीडिया जगत के लिए स्वर्ण युग बनता जा रहा है। हम डिजिटल और इन्टरनेट की दुनिया में कदम रख चुके है। जिसका प्रभाव संचार के श्रृव्य माध्यम रेडियो पर भी पड़ा है। रेडियो इन्टरनेट की इस क्रांति को अपनाकर अपना स्वरूप बदल कर हमारे सामने वेब रेडियो के रूप में आया है। जिसने सभी भौगोलिक दायरों को तोड़ते हुए लोगों तक अपनी पहुँच बनायी है।

की वर्डस– प्रौद्योगिकी, वेब रेडियो, डिजिटल, सेटेलाइट, इलेक्ट्रोनिक मीडिया।

वर्तमान समय में इलेक्ट्रोनिक मीडिया का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जिसने जनसंचार को एक नया ही रूप दिया है। इलेक्ट्रोनिक मीडिया के बढ़ते कदमों ने दूरियों को समाप्त कर संसार को एक शहर के रूप में बदल दिया है। रेडियो और टेलीविजन इलेक्ट्रोनिक मीडिया में जहाँ टेलीविजन दृश्य एवं श्रृव्य माध्यम है। टेलीविजन में सुनने के साथ साथ हम दृश्यों को भी देख सकते है। वहीं पर रेडियो श्रृव्य संचार का मुख्य माध्यम है। पर हमें ऐसा लगता है कि टेलीविजन के आ जाने के कारण रेडियो की प्रासंगिकता कम हो गयी, परन्तु यह सत्य नहीं है। रेडियो आज भी जमीन से जुड़े लोगों के लिए जन सम्पर्क का बहुत ही आवश्यक

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

जरिया है। रेडियो जन सम्पर्क का एक ऐसा माध्यम है, जो बहुत कम समय में गांव तक भी किसी भी संदेश को पहुँचा देता है। आज जहाँ पर टेलीविजन की पहुँच नहीं है, वहाँ तक रेडियो का विस्तार है और रेडियो का इतिहास टेलीविजन से पुराना है। रेडियो को समझे बिना टेजीविजन को समझना नामुमकिन है। क्योंकि श्रृव्य के बिना दृश्य का संसार अधूरा है।हमारे शरीर में भी आँख और कान दोनों का महत्व बराबर है। दोनों में समन्वय का होना आवश्यक है।

आज भी रेडियो की पहुँच दूर दराज के इलाकों तक है। रेडियो की क्षमता और उसकी महत्ता को हम सभी भली भांति पूर्वक जानते हैं। इलेक्ट्रोनिक मीडिया के रूप में रेडियो ने संचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आरम्भ में संचार माध्यमों में इलेक्ट्रोनिक मीडिया के रूप में रेडियो का ही आविष्कार हुआ था और उस समय रेडियो संचार का प्रबल माध्यम था। उस समय लाखों श्रोताओं तक अपनी बात एक साथ पहुँचाने का रेडियो उचित माध्यम था। जिसमें जो पढ़े– लिखे नहीं थे, उन तक भी बात पहुँच जाती थी। क्यों कि इसका लाभ लेने के लिए साक्षर होना आवश्यक नहीं है। इसी कारण से इसकी पहुँच ग्रामीण इलाकों की जनता तक है, क्योंकि ये शिक्षा की आवश्यकता की जंजीरों से मुक्त है। रेडियो के द्वारा संवाद साधारण बातचीत के माध्यम से होता है और किसी तक अपनी बात को पहुँचाना, अपनी बात को समझाने का बातचीत से बेहतर माध्यम कोई नहीं है। इसलिए रेडियो संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है।

बदलते इस दौर में टी0वी0 और इन्टरनेट ने अपनी एक अलग पहचान बनायी है। इस बदलते दौर में रेडियो हाशिए पर चला गया। घर–घर में टी0वी0 ने रेडियो की जगह ले ली। अब तक जो रेडियो संचार, जानकारी एवं मनोरंजन का सशक्त माध्यम था, उसकी लोकप्रियता घटने लगी। पर रेडियो ने बदलते परिवेश को स्वीकारा और आवश्यकतानुसार लोगों की पंसद के हिसाब से नये सिरे से अपने आपको प्रस्तुत किया। जिसके परिणाम स्वरूप जो रेडियो हाशिए पर चला गया था, उससे लोग फिर से जुड़ने लगे। जैसा कि हम जानते है कि आज का युग प्रौद्योगिकी का युग है। नई नई तकनीक का आविष्कार किया जा रहा है। प्रौद्योगिकी युग में बदलती तकनीक के साथ रेडियो की तकनीक एवं स्वरूप में भी काफी परिवर्तन हुआ है। जिसके फलस्वरूप रेडियो का एक नया रूप हमारे सामने आया, वो है – वेब रेडियो। इन्टरनेट रेडियो को वेब रेडियो भी कहा जाता है। 21 वीं सदी में इन्टरनेट हर उम्र हर वर्ग के लिए आवश्यक

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

एवं उपयोगी संसाधन बन गया है। आज हर दूसरा व्यक्ति इन्टरनेट को काम में ले रहा है, जिससे वेब रेडियो का महत्व और भी बढ़ जाता है। परम्परागत रेडियो, एफ.एम. रेडियो, कम्यूनिटी रेडियो इन सभी का प्रसारण का एक निश्चित एवं सीमित दायरा है। वेब रेडियो को एक निश्चित दायरे में नहीं बांधा जा सकता है। इनके दायरे के साथ–साथ पारम्परिक रेडियो एवं वेब रेडियो के बीच में एक और बुनियादी अन्तर है– सार्वजनिक प्रसारण का। वेब रेडियो के साथ सार्वजनिक प्रसारण में आने वाली बाधाओं का अभाव है। वेब रेडियो मनोरंजन के साथ – साथ विचारों के आदान प्रदान करने का बहुत अच्छा विकल्प है। साथ ही वेब रेडियो उन लोगों में ज्यादा लोकप्रिय है, जो अप्रवासी है, क्योंकि वो चाहे कहीं भी रहे अपनी पसंद के कार्यक्रम सुन सकते है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सन् 1993 में Carl Malamud ने सबसे पहले " Internet Talk Radio" स्थापित किया ।[1] ये एक अनौपचारिक बातचीत का साप्तहिक कार्यक्रम था ।वेब रेडियो कई मायनों में संचार के अन्य माध्यमों से अलग है। कम्प्यूटर डिवाइस के माध्यम से रेडियो को अनुभव करने का अपेक्षाकृत एक नया तरीका है। इसे सुनने के लिए श्रोता को निश्चित तौर पर एक नये इन्टरफेस यानि कि स्क्रीन, की– बोर्ड एवं माउस का उपयोग करना पड़ता है। इनकी सहायता से श्रोता अपने मन मुताबिक स्टेशन और उस पर सुनने वाली सामग्री का चयन करता है और उन्हें कभी भी सुन सकता है। इसे समय सीमा में नहीं बांधा गया है। वेब रेडियो जिसे इन्टरनेट रेडियो, नेट रेडियो और स्ट्रीमिंग रेडियो के नाम से भी जाना जाता है। वेब रेडियो इन्टरनेट के द्वारा प्रसारित एक ध्वनि सेवा है। वेब रेडियो में मीडिया की स्ट्रीमिंग होती है, इस पर कार्यक्रम सुनने वाले को लगातार ध्वनि का प्रवाह मिलता है। वेब रेडियो पॉडकॉस्टिंग से अलग होता है। पॉडकास्टिंग में स्ट्रीमिंग के बजाय डाउनलोडिंग होती है। सामान्यतः वेब रेडियो की सेवायें किसी भी स्थान पर सुगम है। बस इन्टरनेट की सुविधा होनी चाहिये। जैसे कि कोई भी व्यक्ति आस्ट्रेलिया के स्टेशन को दुनिया के किसी भी कोने में सुन सकता है। वेब रेडियो खासतौर पर प्रवासियों और उप सुनने वालों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जिनकी चाहत स्थानीय रेडियो सेवा द्वारा पर्याप्त रूप से पूरी नहीं हो पाती है। वेब रेडियो द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली सेवाओं की बात करें तो, वेब रेडियो द्वारा समाचार, खेल और संगीत की विभिन्न शैलियों और हर वो कार्यक्रम उपलब्ध करवाया जाता है।

उच्च शिक्षण संस्थाओं में वेब रेडियो का महत्वः– शिक्षा किसी भी देश के लिए किया जाने वाला वो महत्वपूर्ण निवेश है, जिससे उस देश के नागरिक न केवल साक्षर ही होते हैं, वरन् राष्ट्र

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

को तकनीकी रूप से भी नवाचारी भी बनाते हैं। कुछ वर्षों से प्रयास किये जा रहे हैं कि किस तरह से संचार प्रौदयोगिकी का प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाये , ताकि अधिक से अधिक लोगों तक शिक्षा पहुंचे। क्योंकि संचार प्रोदयोगिकी की यह विशेषता है कि यह किसी भी समय और कहीं भी समायोजित की जा सकती है। जिससे छात्र कभी भी किसी भी समय अपनी सुविधानुसार अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामग्री प्राप्त कर सके और इस नई तकनीक पर आधारित शिक्षा में एक निश्चित भौतिक स्थान पर होने की आवश्यकता भी समाप्त हो जाती है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक नहीं है कि छात्र किसी निश्चित स्थान कक्षा विशेष में रह कर ही शिक्षा ग्रहण करें । बल्कि संचार प्रौदयोगिकी के तहत रेडियो ,टीवी., सेटेलाइट प्रणाली , कंप्यूटर आदि से भी शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में रेडियो का प्रयोग बहुत तेजी से हो रहा है। शिक्षा पर आधारित कई कार्यक्रमों का प्रसारण रेडियो से किया जा रहा है। जन – जाग्रति के लिए भी दूर दराज के क्षेत्रों में सन्देश पहुचाने के कार्य में रेडियो की अहम् भूमिका है। अगर एक पंक्ति में कहा जाये तो हम कह सकते हैं कि रेडियो का प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में एक कुशल शिक्षक की तरह हो रहा है। इंटरनेट प्रौयोगिकी से अध्ययन और अध्यापन के भी कई नये तरीके खोजे जा सकते है, जिसमें अध्यापक को केन्द्र में ना रखकर विद्यार्थी को केन्द्र में लाते हैं। वैसे भी आज इंटरनेट प्रौदयोगिकी से कोई भी अछूता नहीं है।

यह वह दौर है जहाँ अखबार , रेडियो, टी .वी ., सभी ऑनलाइन हो चुके है। अब हम जब चाहें इंटरनेट का इस्तमाल कर इनका फायदा उठा सकते हैं। ऑनलाइन मीडिया की सक्रियता के माध्यम से शिक्षा के समावेशी विकास के लक्ष्य को पाना अहम् आवश्यकताओं में अब शामिल हो गया है। रेडियो का एक रूप जो कि इंटरनेट के माध्यम से चलता है – वेब रेडियो , जो कि ऑनलाइन मीडिया का एक ऐसा अंग है जिसने तेजी से अपनी लोकप्रियता एवं महत्वपूर्णता सिद्ध की है। वेब रेडियो ने कक्षा – कक्ष की बाध्यता को समाप्त कर दिया है। कोई भी संस्था इसे स्थापित कर सकती है, केवल आवश्यकता है सिर्फ इंटरनेट की। वेब रेडियो पर सम्बन्धित पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री को रिकॉर्ड कर अपलोड किया जाता है। जिसे संसार के किसी भी कोने में कोई भी सुन सकता है। समय की पाबंदी को भी ध्यान में रखा गया है। अगर जिस समय वेब रेडियो पर कोई भी प्रसारण किया जा रहा है और उस समय किसी कारणवश हम नहीं सुन पाते हैं तो उसके लिए सिर्फ संस्था को वेब रेडियो स्थापित करने के साथ "आर –काइव" भी स्थापित करना होता है। अगर हम कोई भी प्रसारण नहीं सुन पाये हैं, तो "आर –

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

काइव" पर क्लिक कर हम उसमें से अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शैक्षणिक प्रसारण को अपनी सुविधानुसार सुन सकते हैं। ये शैक्षणिक प्रसारण क्लासरूम शिक्षण के समान ही प्रभावकारी होता है। [2]

क्या वास्तव में वेब रेडियो का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्व है , क्या लोगों को शिक्षित करने में ये अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। ये जानने के लिए हमने राजस्थान के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों से प्रश्नावली के माध्यम से जानने की कोशिश की ।

अध्ययन का उद्देश्य– इस अध्ययन के द्वारा ये जानने की कोशिश की गयी है कि क्या वास्तव में लोगों को लगता है कि वेब रेडियो का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्व है।

शोध प्रविधि– ये समस्या मानव व्यवहार पर आधारित है। इसलिए प्रश्नावली का प्रयोग करके उनके अनुभव पर आधारित आंकड़ों को प्राप्त कर विश्लेषण किया गया है।

आँकड़ों का संकलन कर लेने से ही अभिष्ठ लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकती है इसके लिये आवश्यक है कि प्राप्त आँकड़ों की समस्या के संदर्भ में विश्लेषण करके अर्थपूर्ण व्याख्या प्रस्तुत की जाये। विश्लेषण के आधार पर ही शोध उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता हैं। इसके लिये आवश्यक है कि आँकड़ों की शोध समस्या के संदर्भ में विश्लेषण किया जाये।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन के लिए राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को शामिल किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों को भिन्न–भिन्न सारणियों में व्यवस्थित करके उनका विश्लेषण कर व्याख्या की गई हैं।

1. **क्या आप कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं**

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

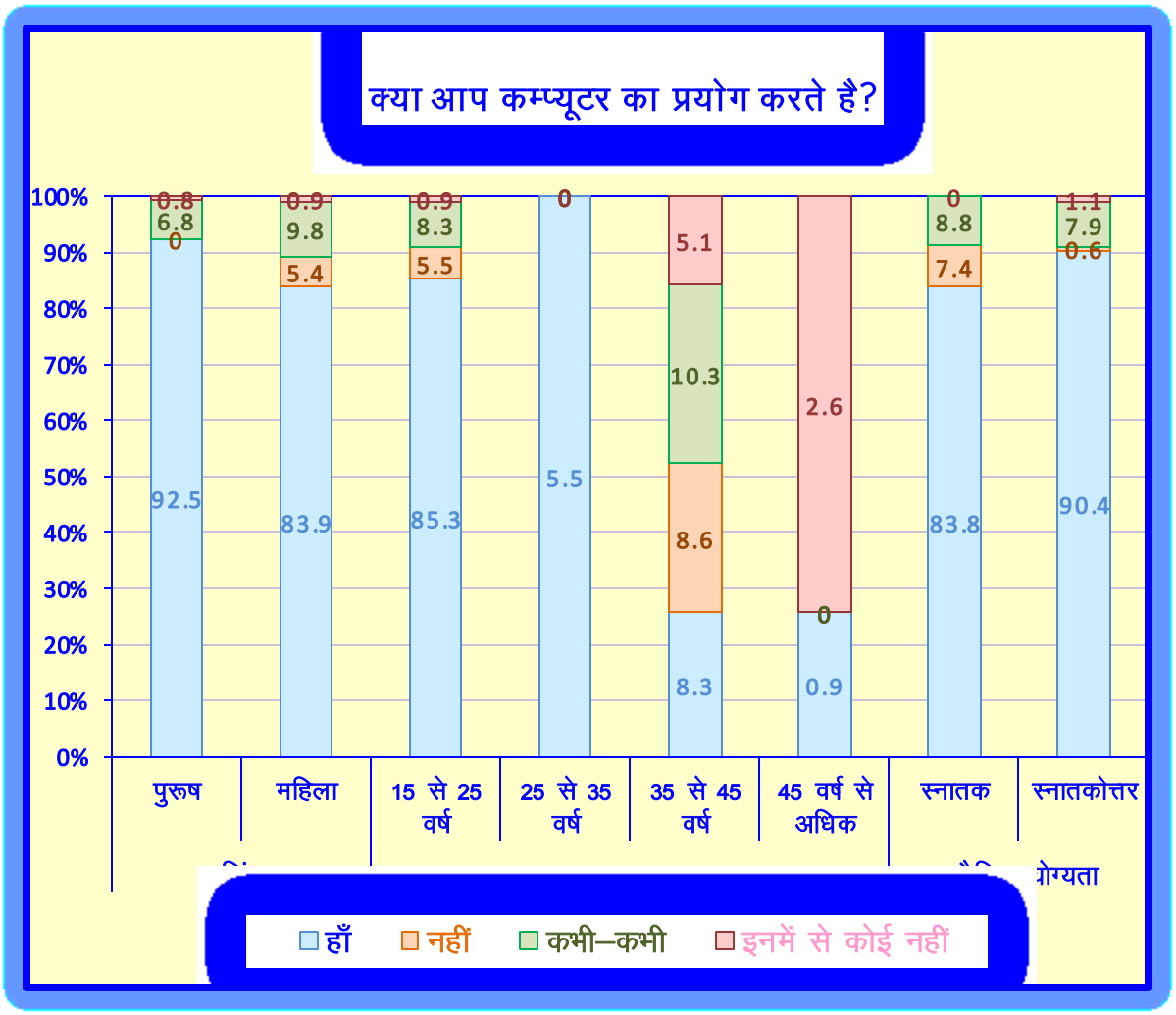

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 92.5 प्रतिशत पुरूष इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 6.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं और 0.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 83.9 प्रतिशत महिलायें इस बात को स्वीकार करती हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करती हैं वहीं 5.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 9.8 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करती हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 85.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 5.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 91.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 8.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 89.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं जबकि 10.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 92.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 2.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 5.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 83.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 7.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 90.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं वहीं 0.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 7.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वे कम्प्यूटर का प्रयोग करते हैं और 1.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

2. आप इंटरनेट का प्रयोग करते है?

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

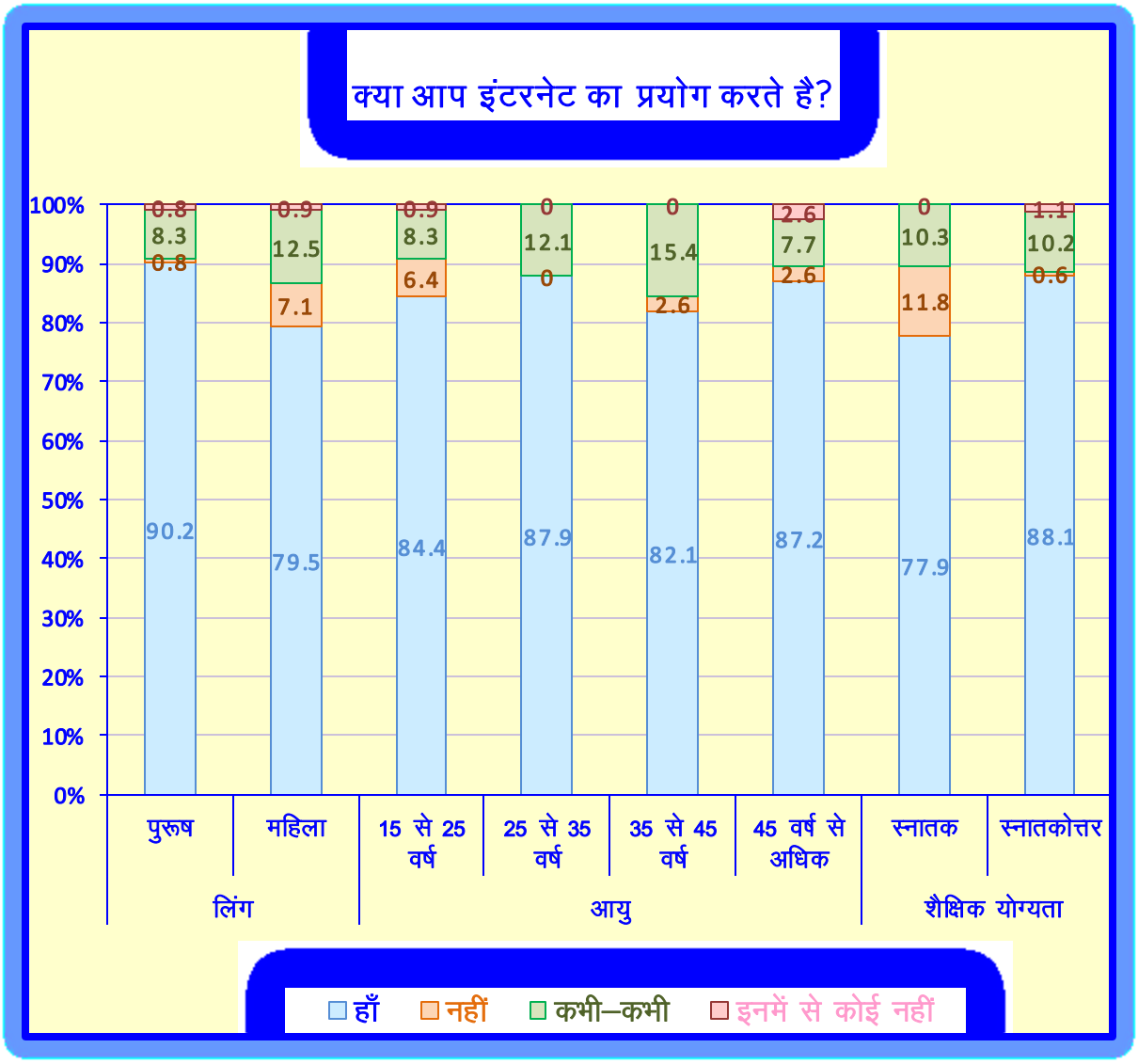

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 90.2 प्रतिशत पुरूष इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 0.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 79.5 प्रतिशत महिलायें इस बात को स्वीकार करती हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करती हैं वहीं 7.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 12.5 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करती हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 84.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 6.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 87.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। जबकि 12.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 82.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 15.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 87.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 7.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 77.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 11.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 10.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 88.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं वहीं 0.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 10.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी इंटरनेट का प्रयोग करते हैं और 1.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

3. क्या आप इंटरनेट रेडियो के बारे में जानते है?

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 76.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 16.5 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 5.3 प्रतिशत

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं और 1.5 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 76.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करती हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानती हैं वहीं 17.0 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करती हैं। जबकि 6.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी ही इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 72.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 20.2 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 7.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 84.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 10.3 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 3.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं और 1.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 82.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 15.4 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 2.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 71.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 17.9 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 7.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 64.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 23.5 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 11.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 81.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे इंटरनेट रेडियों के बारे में जानते हैं वहीं 14.1 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

जबकि 3.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्होंने कभी–कभी इंटरनेट रेडियों के बारे में सुना हैं और 1.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

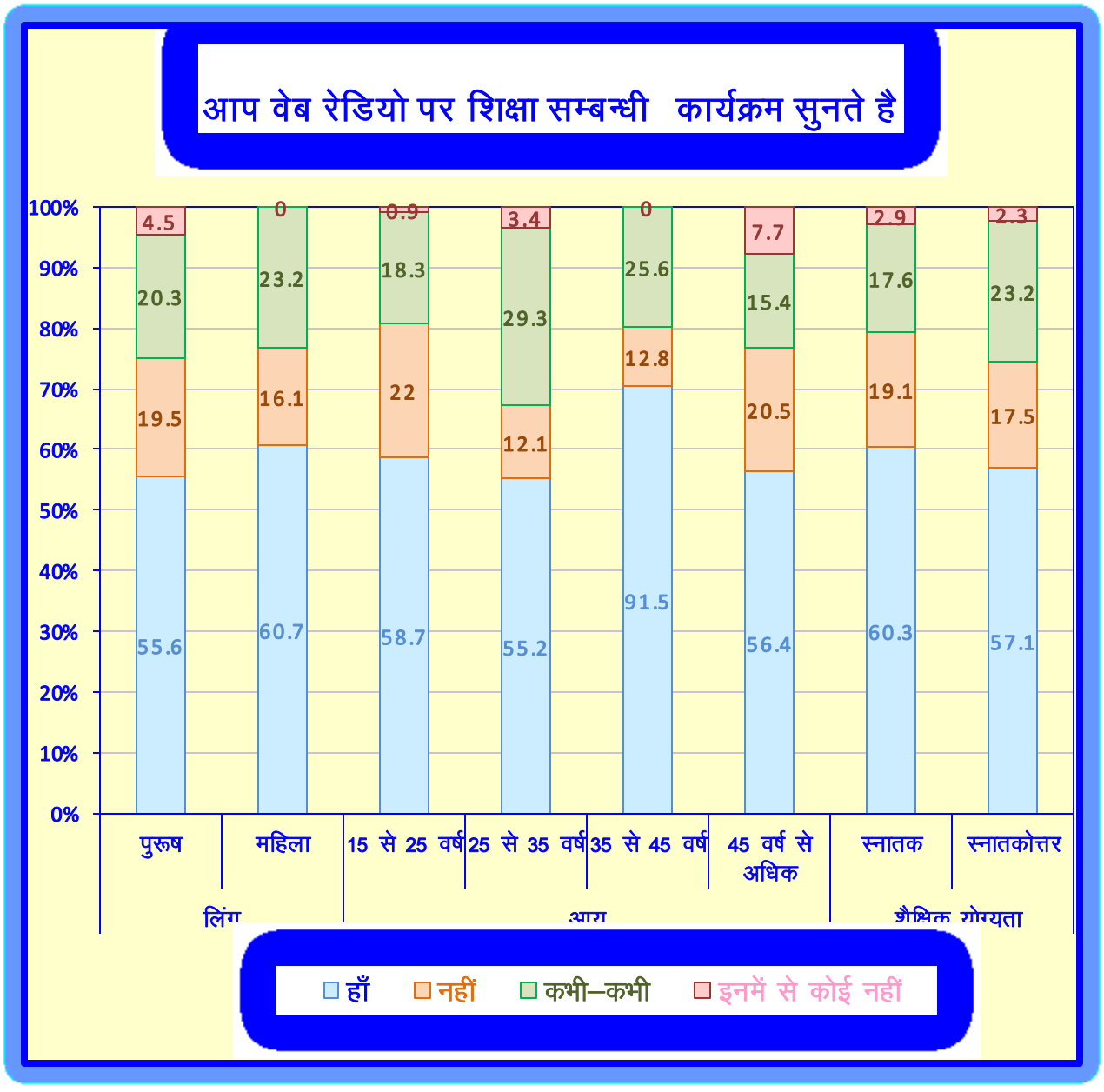

4. आप वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते है?

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 55.6 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 19.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 20.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं और 4.5 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 60.7 प्रतिशत वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनती हैं वहीं 16.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 23.2 प्रतिशत महिला उत्तरदाता कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 58.7 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 22.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 18.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 55.2 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 12.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 29.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी ऐसे कार्यक्रम सुनते हैं और 3.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 61.5 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 12.8 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 25.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 56.4 प्रतिशत उत्तरदाता मानते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 20.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 15.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं और 7.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 60.3 प्रतिशत उत्तरदाता मानते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 19.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 17.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी ऐसे कार्यक्रम सुनते हैं और 2.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 57.1 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं वहीं 17.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 23. 2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सुनते हैं और 2.3 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

5. वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं?

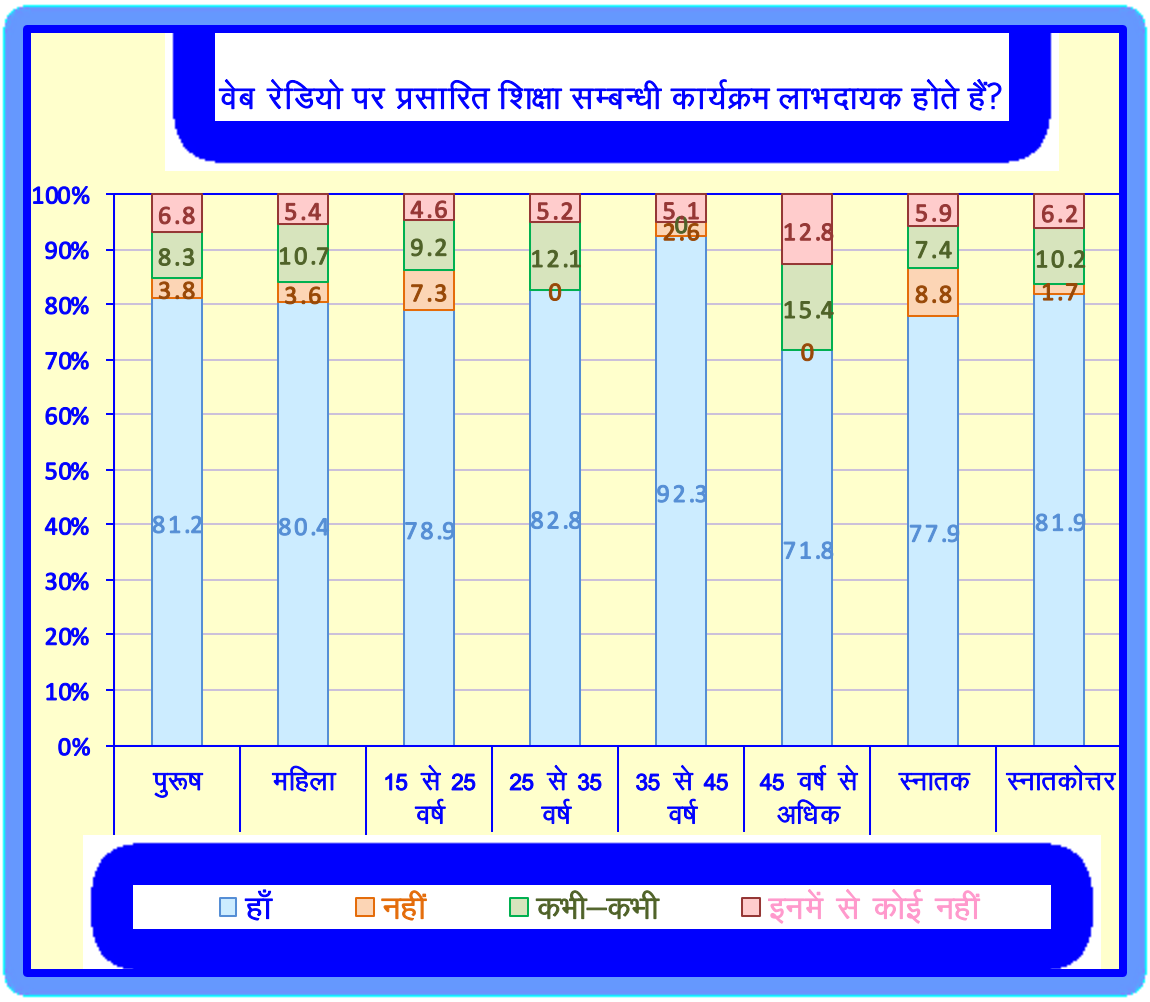

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 81.2 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकारते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 3.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी ऐसे कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 6.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 80.4 प्रतिशत महिलाऐं स्वीकारती हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 3.6 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करती हैं। जबकि 10.7 प्रतिशत महिलाओं का मानना हैं कि कभी–कभी ऐसे प्रसारित कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 5.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 78.9 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकारते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 7.3 प्रतिशत उत्तरदाता इससे इंकार करते हैं। जबकि 9.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी ऐसे कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 4.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 82.8 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 12. 1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 5.2 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 92.3 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 5.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 71.8 प्रतिशत उत्तरदाता मानते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं। जबकि 15.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी ही ऐसे कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 12.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 77.9 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकारते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 8.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 7.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना हैं कि कभी–कभी ऐसे कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 5.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 81.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं वहीं 1.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 10.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं और 6.2 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

6. क्या वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं?

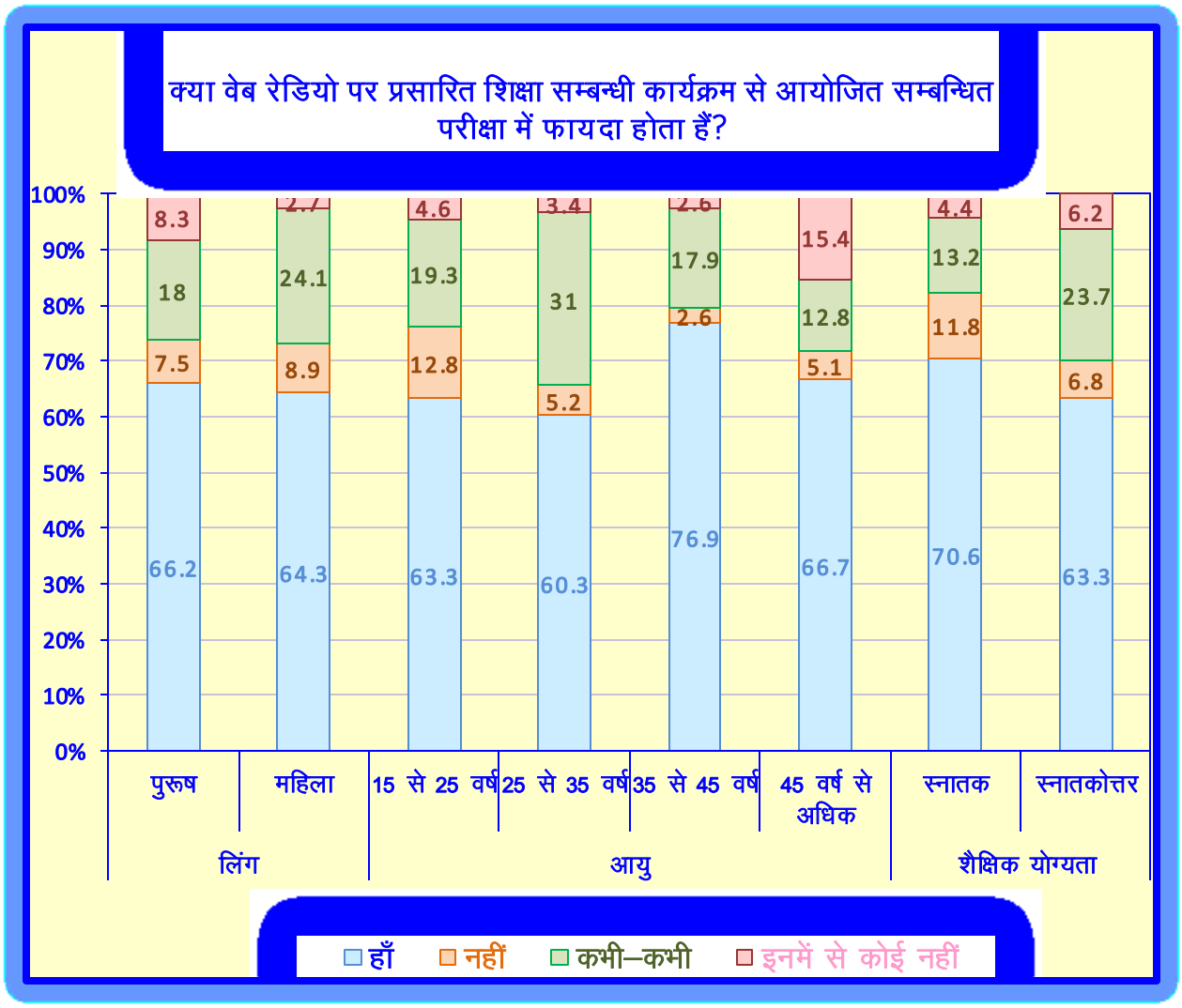

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में कुल 66.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 7.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 18.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 8.3 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

इसी प्रकार कुल महिलाओं में से कुल 64.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करती हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 8.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 24.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 2.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 63.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 12.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 19.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 4.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 60.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 5.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 31.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 3.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 76.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 17.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 66.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

परीक्षा में फायदा होता वहीं 5.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 12.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 15.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 70.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 11.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 13.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 4.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 63.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता वहीं 6.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 23.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हे कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम से आयोजित सम्बन्धित परीक्षा में फायदा होता हैं और 6.2 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

7. वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी है।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

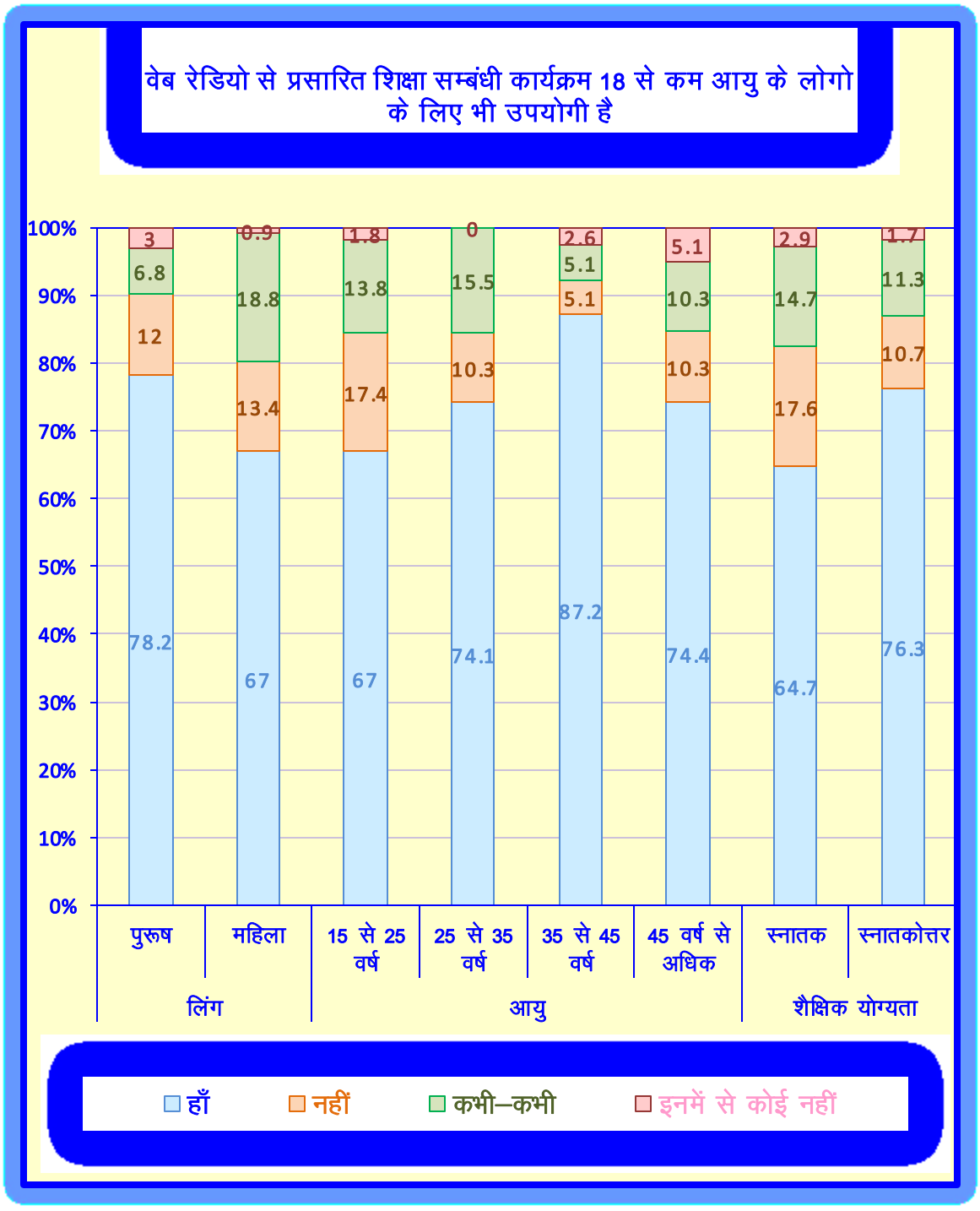

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 78.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 12.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 6.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 3.0 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 67.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करती हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 13.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 18.8 प्रतिशत महिलाओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 0.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 67.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 17.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 13.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 1.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 74.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 10.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 15.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं। कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 87.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 5.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 5.1

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 74.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 10.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 10.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 5.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 64.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 17.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 14.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 2.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 76.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं वहीं 10.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 11.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगो के लिए भी उपयोगी हैं और 1.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

8. क्या आपको लगता है कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक हैं?

ISSN- 2454-2695
साहित्य संहिता
Volume 02 Issue 02
Available at http://www.sahityasamhita.org/
February 2017

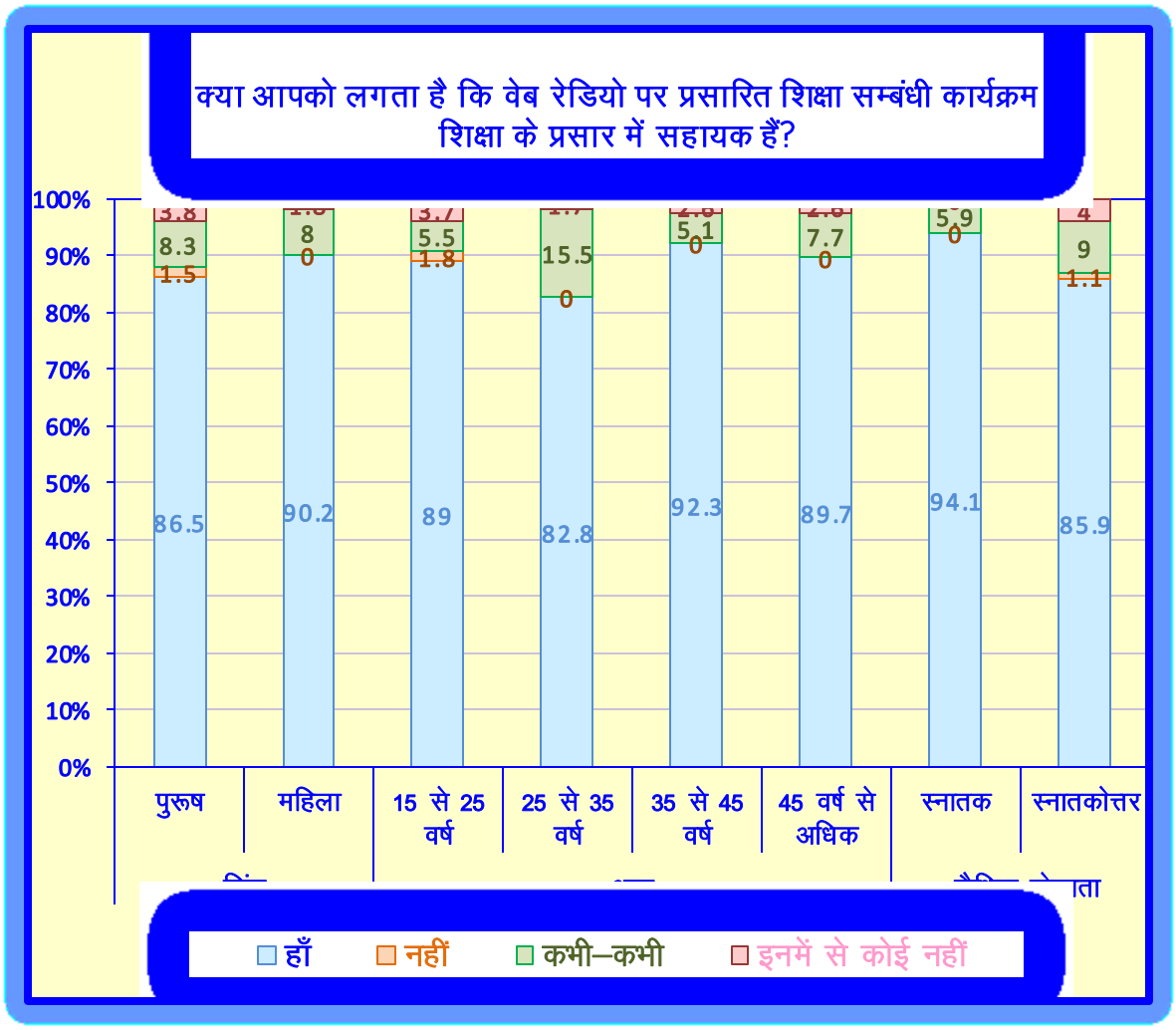

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 86.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं वहीं 1.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 8.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 3.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं। इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 90.2 प्रतिशत महिलाएं इस बात को स्वीकार करती हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

के प्रसार में सहायक होते हैं जबकि 8.0 प्रतिशत महिलाओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 1.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 89.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं वहीं 1.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 5.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 3.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 82.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं। जबकि 15.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 1.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 93.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं। जबकि 5.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 89.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं। जबकि 7.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 94.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं। जबकि 5.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं।

इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 85.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं वहीं 1.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 9.0 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बंधी कार्यक्रम शिक्षा के प्रसार में सहायक होते हैं और 4.0 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

9. क्या आप वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर आप भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं?

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से कुल 40.6 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के

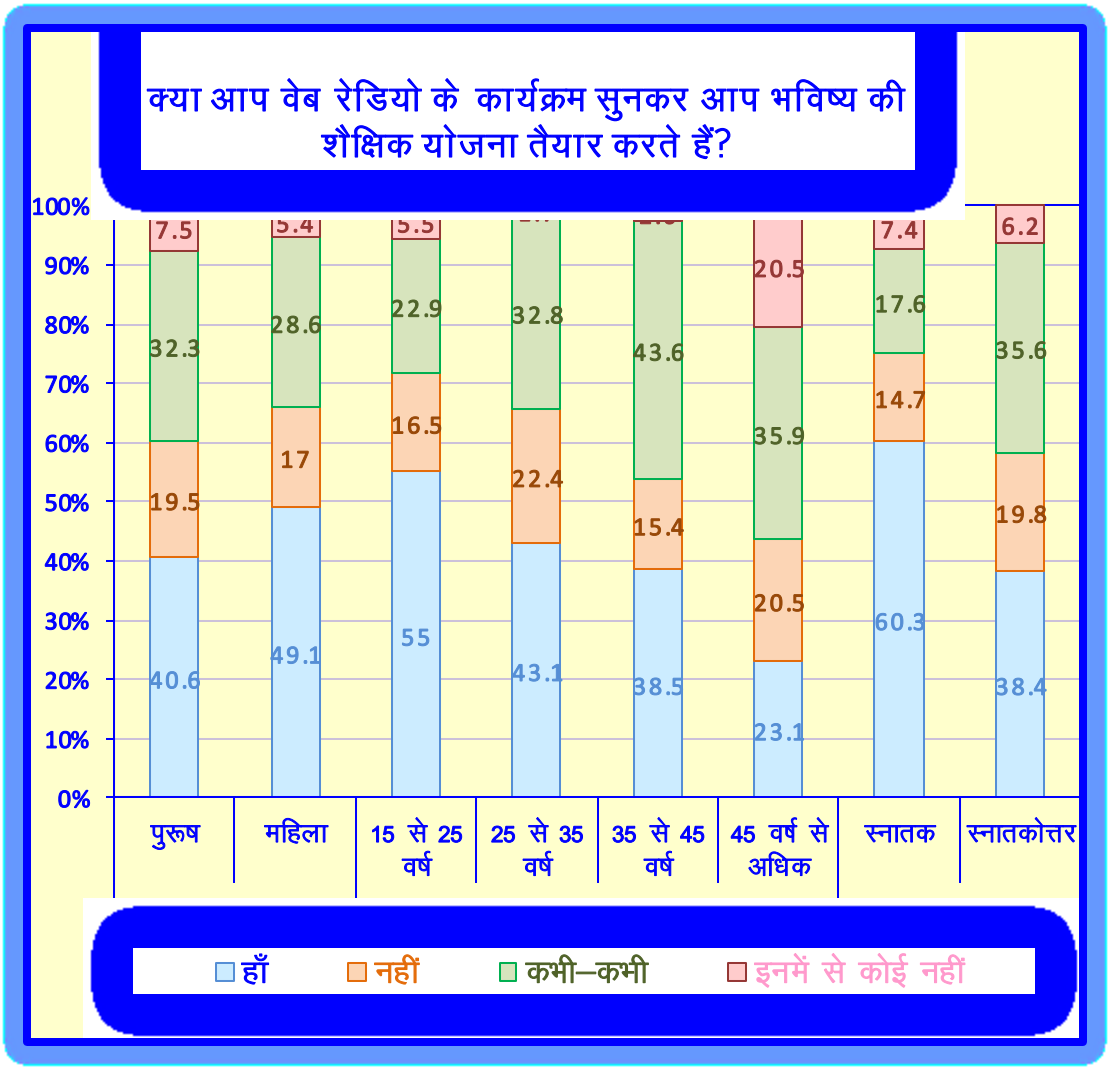

कायक्रम सुनकर भावष्य का शाक्षक याजना तयार करत ह वहा 19.5 प्रातशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 32.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 7.5 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

ISSN- 2454-2695
Volume 02 Issue 02
February 2017

इसी प्रकार कुल महिलाओं में से कुल 49.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करती हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करती हैं वहीं 17.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 28.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करती हैं और 5.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से कुल 55.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 16.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 22.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 5.5 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से कुल 43.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 22.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 32.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 1.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से कुल 38.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 15.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 43.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 2.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से कुल 23.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 20.5 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 35.9 प्रतिशत

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 20.5 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से कुल 60.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 14.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 17.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 7.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से कुल 38.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वे वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं वहीं 19.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 35.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि वे कभी–कभी वेब रेडियो के कार्यक्रम सुनकर भविष्य की शैक्षिक योजना तैयार करते हैं और 6.2 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

10. वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता हैं?

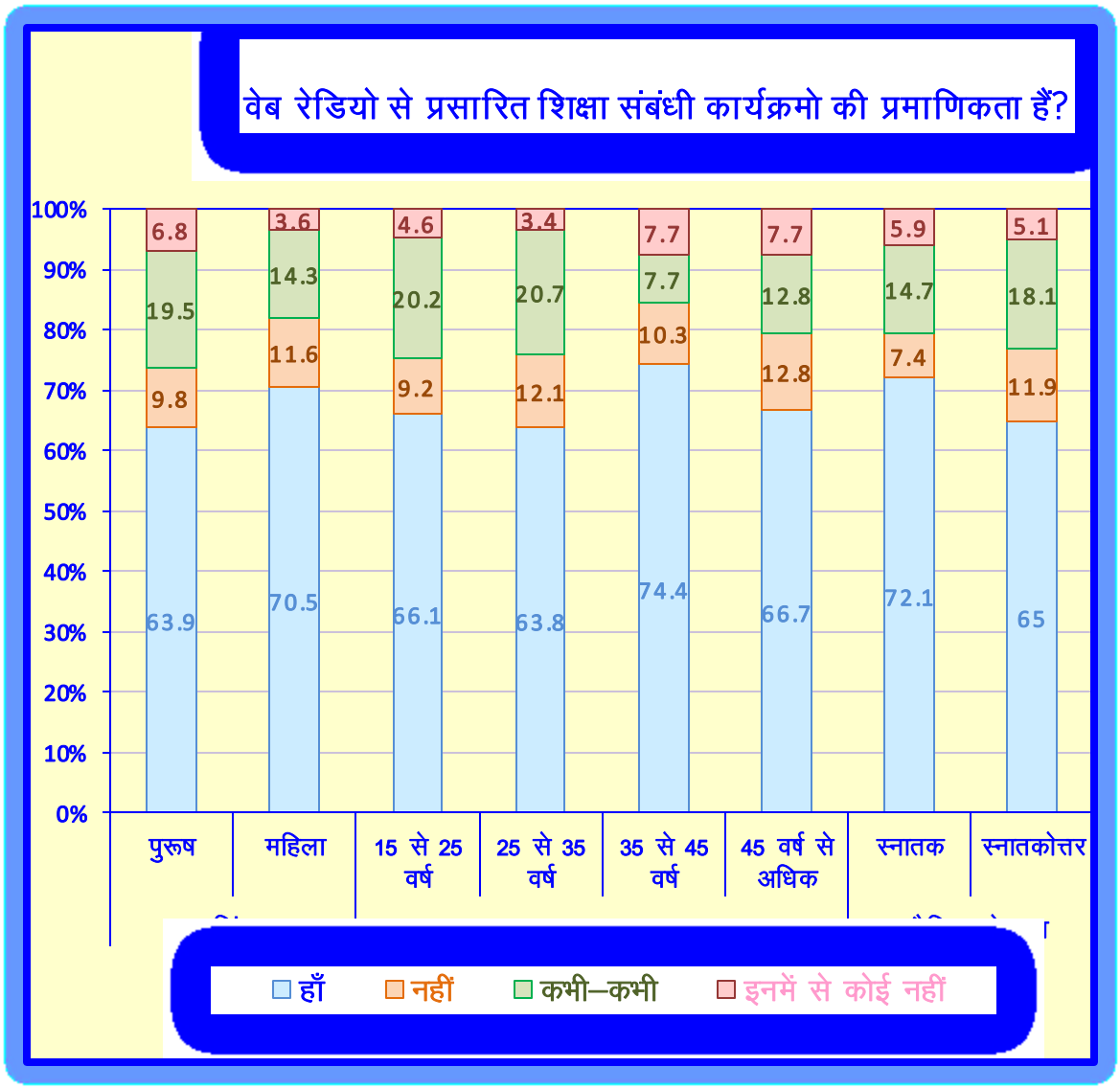

ISSN- 2454-2695
साहित्य संहिता
Volume 02 Issue 02
Available at http://www.sahityasamhita.org/
February 2017

उपरोक्त ग्राफ से स्पष्ट होता हैं कि लिंग के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल पुरूषों में से 63.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 9.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 19.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 6.8 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

इसी प्रकार कुल महिलाओं में से 70.5 प्रतिशत महिलाएं इस बात को स्वीकार करती हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 11.6 प्रतिशत महिलाएं इस बात से इंकार करती हैं। जबकि 14.3 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं का मानना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 3.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारती हैं।

आयु के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कुल 15 से 25 आयु वर्ग में से 66.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 9.2 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 20.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 4.6 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 25 से 35 आयु वर्ग में से 63.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 12.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 20.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 3.4 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

कुल 35 से 45 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं में से 74.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 10.3 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 7.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 7.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

वहीं 45 से अधिक आयु वर्ग के कुल उत्तरदाताओं में से 66.7 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 12.8 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 12.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं का

साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 7.7 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 72.1 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 7.4 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 14.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 5.9 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर के कुल उत्तरदाताओं में से 65.0 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं वहीं 11.9 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से इंकार करते हैं। जबकि 18.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना हैं कि कभी–कभी वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमो की प्रमाणिकता होती हैं और 5.1 प्रतिशत उत्तरदाता इनमें से किसी भी विकल्प को नहीं स्वीकारतें हैं।

परिणाम :–

आंकड़ो के विष्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि वेब रेडियो का उपयोग पुरूष तथा महिला जो कि विभिन्न आयु वर्ग के है तथा विभिन्न स्तर पर शिक्षित है द्वारा किया जाने लगा है। आंकड़ो के विष्लेषण के आधार पर यह भी परिलक्षित होता है कि वेब रेडियो शैक्षणिक विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

वेब रेडियो पर प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते है।

इस सम्बन्ध में सभी ने माना कि वास्तव में वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम लाभदायक होते हैं, प्राप्त हुये आंकड़ो के विष्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सभी पुरूष तथा महिला जो कि विभिन्न आयु वर्ग के है तथा विभिन्न स्तर पर शिक्षित है, के लिये लाभदायक है।

वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम 18 से कम आयु के लोगों के लिए उपयोगी है.....

ISSN- 2454-2695

Volume 02 Issue 02

February 2017

इस सम्बन्ध में जो आंकड़ें प्राप्त हुये उनका जब विश्लेषण किया गया तो सभी स्त्री – पुरूष, विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने माना कि अगर वेब रेडियो से 18 वर्ष से कम आयु के लोागों के लिये भी शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जायेगा तो वो उपयोगी होगा। विभिन्न स्तर के शिक्षित वर्ग का भी ये ही मानना है कि वेब रेडियो से 18 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिये भी शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम का प्रसारण करना चाहिये।

स्नातकोत्तर की तुलना में स्नातक के छात्र वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम ज्यादा उपयोगी मानते हैं.....

आंकड़ों का संग्रहण कर विश्लेषण किया गया तो पता चला कि स्नातकोत्तर के छात्रों की तुलना में 89.7 प्रतिशत स्नातक के छात्रों का मानना है कि वेब रेडियो से प्रसारित शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम ज्यादा उपयोगी होते हैं।

निष्कर्ष– वेब रेडियो ने शिक्षा के स्तर को एक नया आयाम दिया है, खासतौर पर दूरस्थ शिक्षा को । दूरस्थ प्रणाली से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों में कक्षा–कक्ष की कमी को वेब रेडियो ने दूर किया है और एक ही संचार माध्यम पर सभी विषय का ज्ञान , उसकी जानकारी विद्यार्थी को मिल जाती है और वो अपनी आवश्यकतानुसार उसका प्रयोग अपने शिक्षा के रहे अधूरे सपने को पूरा करने के लिए कर सकता है। वेब रेडियो ने शिक्षा को और भी लोकप्रिय और सशक्त बनाया है। वर्तमान समय में वेसे भी हर व्यक्ति इंटरनेट का उपयोग कर रहा है।इसलिए वेब रेडियो का महत्व और भी बढ़ गया है।

सन्दर्भ–

1. hiwikipedia.org date 07.04.2015 4.08 PM
2- hi.vikaspedia.in date 30.03.2015 time 10.44 AM
3. माथुर, क्षिप्रा. 2009. आकाशवाणी उद्भव और विकास. पेज न0 13
4. bharatdiscovery.org date 07.04.2015 time 3.30 PM
5- hi.wikipedia.org/wiki/ date 04.06.15 time 12.24PM
6- http://hi.wikipedia.org date 04.06.15 time 02.51PM
7- wikipedia.org/wiki/Webcast date 16.06.15 time 12.32PM
8. www.mediapost.com date 28.03.2015 time 5.09 PM